जीवन-परिचय

नाम	**: राजयोगी ब्र.कु. आत्म प्रकाश भाई**
जन्म	**: 15-08-1937**
शिक्षा	**: B.Sc. (Engineering)**
ज्ञान आयु	**: सन् 1957 से**
समर्पित काल	**: सन् 1961 से**
पद	**: संपादक 'ज्ञानामृत' तथा 'द वर्ल्ड रिन्युअल'** **प्रकाशक, ईश्वरीय साहित्य** **नेशनल को-ऑर्डिनेटर, मीडिया विंग** **मेम्बर, राजयोग एज्यूकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन**

आप 20 वर्ष की नौजवान अवस्था में इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय से जुड़े। लौकिक पढ़ाई में आप सदा छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करते रहे। सन् 1961 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने पर साकार बाबा के वरदानी बोलों ने ही आपको ईश्वरीय सेवा में समर्पित कराया। आपने विद्यालय की ईश्वरीय सेवा के प्रारंभिक काल में बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आप अपने परिवार में माता-पिता सहित सभी भाई-बहनों को ईश्वरीय ज्ञान में लाने के निमित्त बने। पहले-पहले आपने देहली में चित्रशाला बनाई जिसके द्वारा भारत भर के सेवाकेन्द्रों के म्यूजियम, प्रदर्शनियाँ, मेले आदि तैयार हुए। बापदादा की मार्गदर्शना में आपने अनेक नये-नये चित्र ईजाद किये। इसके बाद भ्राता जगदीश जी के साथ ईश्वरीय साहित्य की सेवा में भी आपने अथक सहयोग दिया। सन् 1981 में आपको 'ज्ञानामृत' तथा 'द वर्ल्ड रिन्युअल' का संपादकीय भार सौंपा गया। सन् 1992 में प्यारे बाबा ने आपको शान्तिवन बेहद घर में बुलाकर देश-विदेश की बेहद सेवा के निमित्त बना दिया। मीडिया विंग का निर्माण होने पर आपको इसका नेशनल को-ऑर्डिनेटर बनाया गया।

आप बहुत ही सरलचित्त, सर्व के स्नेही, सहयोगी, यज्ञ प्रति ईमानदार, बड़ो के आज्ञाकारी तथा अथक सेवाधारी हैं।